प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3 (2021–22)

हिन्दी – अ (कोड – 002)

कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

देवदत्त बुद्धिमान राजा था। एक दिन सिद्धतांक नामक तपस्वी उसके राज्य में आया। राजा ने तपस्वी का सम्मान कर नगर मंत्री धनेश्वर को उसके ठहरने का प्रबंध करने की आज्ञा दी। तपस्वी को त्यागी एवं बलिदानी मानकर अनेक सेठ–साहूकारों ने उसे दक्षिणा में धन दिया। काफी धन एकत्रित होने पर तपस्वी ने धन को एक कलश में रखकर जंगल में एक पेड़ के नीचे दबा दिया तथा उस पर निगरानी रखने लगा। कुछ समय पश्चात जब वह जंगल गया तो देखा कोई उसका धन चुरा ले गया है। यह देख उसकी आँखों के आगे अंधेरा छाने लगा। उसने निश्चय किया कि मैं नदी तट पर अपनी जान दे दूँगा।

यह बात जब राजा तक पहुँची तो उसने दरबारियों को भेज तपस्वी को बुलवाया तथा समझाया–देव धन खो जाने पर मृत्यु वरण अच्छा नहीं है, धन तो धूप–छाँव के समान है उसके लिए इतना शोक व्यर्थ है। परंतु तपस्वी अपनी बात पर अटल था। तब राजा ने उससे पूछा कि उसने जहाँ धन रखा था वहाँ की कोई निशानी तो होगी ही। तपस्वी ने राजा को बताया कि उसने एक छोटे पेड़ के पौधे के नीचे अपना धन छिपाया था। राजा ने उसे धन वापस मिल जाने का आश्वासन दिया परंतु तपस्वी अपनी बात पर अटल था। राजा ने शयनागार में जाकर सिरदर्द का बहाना किया और सभी वैद्यों को बुलवा लिया। उसने सभी वैद्यों से एक ही बात पूछी कि आजकल नगर में कौन सी बीमारी फैल रही है और उसकी औषधि क्या है तथा कहाँ मिलती है? वैद्य राजा के प्रश्न का उत्तर देते और चले जाते। एक वैद्य ने बताया कि मैंनें अपने रोगी शिवानंद को नागवाला बूटी खाने को कहा था। राजा ने तुरंत शिवानंद को बुला भेजा। शिवानंद ने राजा को बताया कि उसका नौकर रामू जंगल से यह बूटी लेकर आया था। राजा ने नौकर रामू को दरबार में बुलाया। रामू के दरबार में आते ही राजा ने गुस्से से आग बबूला होते हुए रामू को कहा अपने मालिक के लिए नागवाला बूटी उखाड़कर लाते समय जो धन मिला था वह तुरंत ले आओ वरना अपने पाप का दंड भोगने के लिए तैयार हो जाओ। रामू थर थर काँपने लगा और तुरंत घर की और दौड़ा और तपस्वी का धन लाकर राजा को वापस दे दिया।

i. तपस्वी ने अपना धन कहाँ छिपाया था?

(क) अपने घर में (ख) जंगल में

(ग) नदी के तट पर (घ) इनमें से कहीं नहीं

ii. राजा ने तपस्वी को धन की खोज करके लौटाने का आश्वासन तुरंत ही दे दिया क्योंकि–
(क) उसे चोर का पता था
(ख) उसे मंत्री पर शक था
(ग) उसे अपनी चतुरता पर विश्वास था
(घ) उसे अपनी प्रजा पर विश्वास था

iii. तपस्वी के पास धन कहाँ से आया?
(क) नगर सेठों ने दान–दक्षिणा में भेंट किया
(ख) नगर मंत्री ने भेट किया
(ग) राजा ने भेंट किया
(घ) यह उसका अपना पैतृक धन था

iv. राजा ने सिरदर्द का बहाना क्यों किया?
(क) चोर को पकड़ने के लिए
(ख) उस समय नगर में फैली बीमारियों को ज्ञात करने के लिए
(ग) तपस्वी से उसका हठ तुड़वाने के लिए
(घ) इनमें से कोई कारण नहीं

v. 'नौकर डर से काँपने लगा' यहाँ किस डर की बात कही गई है?
(क) तपस्वी के शाप की
(ख) राजा के द्वारा दंड दिए जाने की
(ग) अपने मालिक शिवानंद के डर की
(घ) सभी उत्तर सही हैं

अथवा

राष्ट्र निर्माण में शिक्षा का काफी योगदान रहा है। विदेशी शिक्षा पद्धति से कई लोग देश की सभ्यता और संस्कृति को भूलकर विदेशी सभ्यता और संस्कृति को ज्यादा महत्व दे रहे हैं, फलस्वरूप राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसके लिए वर्तमान शिक्षा नीति में सुधार करना अति आवश्यक है। मेरा यह मतलब नहीं कि विदेशी भाषाएँ सीखनी ही नहीं चाहिए। नहीं आवश्यकता, अनुकूलता और अवकाश होने पर हमें एक भाषा नहीं अनेक भाषाएँ सीख कर ज्ञानार्जन करना चाहिए। द्वेष किसी भी भाषा से नहीं करना चाहिए। ज्ञान कहीं से भी मिलता हो उसे ग्रहण कर लेना चाहिए। परंतु अपनी भाषा और उसी के साहित्य को प्रधानता देनी चाहिए क्योंकि अपना, अपने देश का, अपनी जाति का उपकार और कल्याण अपनी ही भाषा के साहित्य की उन्नति से हो सकता है। ज्ञान, विज्ञान और राजनीति की भाषा सदैव लोकभाषा ही होनी चाहिए।

i. राष्ट्रनिर्माण में किसका योगदान सर्वाधिक है?
(क) शिक्षा का (ख) साहित्य का
(ग) स्वदेशी भाषाओं का (घ) सभी उत्तर सही हैं

ii. वर्तमान शिक्षानीति किसके लिए खतरा बन चुकी है?
(क) राष्ट्रीय एकता के लिए
(ख) देश की अखंडता के लिए
(ग) 'क' व 'ख' दोनों सही हैं
(घ) 'क' व 'ख' दोनों गलत हैं

iii. इस गद्यांश का सार क्या होगा?
(क) राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए शिक्षा नीति में सुधार आवश्यक है
(ख) भारतीय सभ्यता और संस्कृति ही सर्वोपरी हैं
(ग) विदेशी शिक्षा का त्याग कर देना चाहिए
(घ) शिक्षा पद्धति कोई भी हो उसमें सुधार अत्यंत आवश्यक हैं

iv. अपनी भाषा की उन्नति ही उन्नति का मूल है इसीलिए–
(क) अपनी भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए
(ख) भाषा में सीखना अच्छा है
(ग) विदेशी भाषाओं को किसी भी दशा में मत सीखो
(घ) भाषा ज्ञान व्यर्थ की बातें हैं

v. ज्ञान विज्ञान और राजनीति की भाषा सदैव कैसी होनी चाहिए?
(क) संस्कृतनिष्ठ हिंदी (ख) वैज्ञानिक भाषा
(ग) लोक भाषा (घ) क्षेत्रीय भाषा

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

विषुवत–रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ–हाँफ कर,
रखता है अनुराग अलौकिक,
वह भी अपनी मातृभूमि पर।
सुखद सकल विभवों की आकर,
धरा–शिरोमणि मातृभूमि में,
धन्य हुए हो जीवन पाकर।
ध्रुव वासी जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप–काँप कर,
वह भी अपनी मातृभूमि पर,
कर देता है प्राण निछावर।।
तुम तो है प्रिय बंधु! स्वर्ग सी,
तन रहते कैसे तज दोगे,
उसको, हे वीरों के वंशज।।
तुम जिसका जल–अन्न ग्रहण कर,

बड़े हुए लेकर जिसका रज,
जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन,
रखो आत्म–गौरव से ऊँची,
पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन।

i. विषुवतीय प्रदेश में रहने वालों को क्या कष्ट होता है?
(क) दूर–दूर तक चलने के कारण वे हाँफने लगते हैं
(ख) वहाँ बहुत सर्दी होती है
(ग) अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है
(घ) मातृभूमि की रक्षा में कष्ट सहन करने पड़ते हैं

ii. विषुवत–रेखा और ध्रुव प्रदेश के वासी अपनी मातृभूमि के प्रति कैसी भावनाएँ रखते हैं?
(क) प्राण–न्योछावर करने को तैयार रहते हैं
(ख) छोड़कर जाना चाहते हैं
(ग) वहाँ रहते हुए भय से काँपते हैं
(घ) प्रसन्नतापूर्वक रहते हैं

iii. कवि ने वीरों के वंशज किन्हें कहा है?
(क) प्रिय बंधुओं को
(ख) विषुवत रेखा के वासियों को
(ग) भारतीयों को
(घ) ध्रुववासियों को

iv. प्रस्तुत कविता में कवि क्या संदेश दे रहा है?
(क) देश के प्रति प्राण भी न्योछावर करने को तैयार रहो
(ख) देश को छोड़कर मत जाओ
(ग) औरों की तरह कष्ट सहन करो
(घ) धरा–शिरोमणि में जन्म लेने के कारण अहंकार करो

v. किस शब्द का अर्थ 'प्रेम' है?
(क) अलौकिक (ख) सुखद
(ग) आकर (घ) अनुराग

अथवा

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से,
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर–फिर यही जी में लगी,
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।
दैव! मेरे भाग्य में है क्या बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में।
या जलूँगी गिर अंगारे पर किसी,
चू पडूँगी या कमल के फूल में।
बह गई उस काल एक ऐसी हवा,
वह समुंदर ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का मुँह था खुला,
वह उसी में जा पड़ी, मोती बनी।
लोग यों ही हैं झिझकते, सोचते,
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर।
किंतु घर को छोड़ना अकसर उन्हें,
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

i. बूँद भगवान से किसके विषय में पूछ रही है?
(क) अपनी नियति के विषय में
(ख) अपने भाग्य के विषय में
(ग) अपनी गति (दशा) के विषय में
(घ) उपर्युक्त सभी

ii. हवा बूँद को उड़ाकर कहाँ ले गई?
(क) समुद्र की ओर (ख) बादलों की ओर
(ग) कमल की ओर (घ) अंगारे की ओर

iii. बूँद मोती कैसे बन गई?
(क) सीप में पड़कर (ख) धूल में पड़कर
(ग) अंगारे पर गिरकर (घ) कमल पर पड़कर

iv. बादलों से निकलकर बूँद क्या सोच रही थी?
(क) मैं समुद्र की ओर क्यों आई
(ख) मैं घर (बादल) छोड़कर क्यों निकली
(ग) मै सीप में क्यों गिरी
(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

v. बूँद की आशंका क्या है?
(क) कभी मैं धूल में मिल जाऊँ
(ख) कभी मैं अंगारे से जल मरूँ
(ग) कभी मैं कमल के ऊपर गिर जाऊँ
(घ) उपर्युक्त सभी

खण्ड–ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. जिस वाक्य में एक ही मुख्य क्रिया होती है, उसे कहते हैं–
(क) सरल वाक्य
(ख) मिश्र वाक्य
(ग) उपवाक्य
(घ) संयुक्त वाक्य

ii. "करो या मरो।" संयुक्त वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए–
(क) करो और मरो।
(ख) करते रहो और मरते रहो।
(ग) करते रहने पर भी मरोगे।
(घ) यदि नहीं करोगे तो मरोगे।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य छाँटिए–
(क) सहवाग गंभीर के साथ खेल रहा है।
(ख) नेताजी आए और सब लोग बैठ गए।
(ग) जैसा बोएँगे वैसा काटेंगे।
(घ) सीटी बजी और मैच शुरू हो गया।

iv. वह इस प्रकार चलता है जैसे कोई बीमार हो। रचना के आधार पर वाक्य भेद है–
(क) सरल वाक्य
(ख) सकारात्मक वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) संयुक्त वाक्य

v. आश्रित उपवाक्य का भेद नहीं है–
(क) सर्वनाम उपवाक्य
(ख) क्रियाविशेषण उपवाक्य
(ग) संज्ञा उपवाक्य
(घ) विशेष उपवाक्य

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. निम्नलिखित वाक्य से भाववाच्य वाक्य बनाइए–
हम सर्दी में गर्म पानी से नहाते हैं।
(क) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाएगा।
(ख) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाता है।
(ग) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जा रहा है।
(घ) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाता था।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए–
(क) रम्या सुबह नहीं उठ सकी।
(ख) अमिय द्वारा कहानी पढ़ी गई।
(ग) रीना चित्र बनाती है।
(घ) इनमें से कोई नहीं

iii. निम्नलिखित वाक्य से कर्मवाच्य बनाइए–
मैं यह कविता नहीं पढ़ सकूँगा।
(क) मुझ द्वारा यह कविता नहीं पढ़ी जाएगी।
(ख) मुझ द्वारा इस कविता को नहीं पढ़ा जा सकेगा।
(ग) मुझसे यह कविता नहीं पढ़ी जा सकेगी।
(घ) मुझसे यह कविता नहीं पढ़ी जाएगी।

iv. आओ चला जाए। इस वाक्य में वाच्य है–
(क) कर्तृवाच्य (ख) भाववाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं

v. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य है–
(क) बच्चों के द्वारा खाना खाया गया।
(ख) बच्चों से चला जा सकता है।
(ग) बच्चों ने खाना खाया।
(घ) बच्चों से भागा जा सकता है।

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. यह छात्र बहुत समझदार है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।
(ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुंल्लिंग, कर्ता कारक।
(ग) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक।
(घ) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिग, कर्म कारक।

ii. मैं पंकज से जयपुर में मिलूँगा। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक।
(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, अधिकरण कारक
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, करण कारक।

iii. रंजनी पत्र पढ़ती है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्म कारक।
(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।
(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।
(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्म कारक।

iv. सैनिक अपने कर्तव्य पर मर मिटेंगे। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–
(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिग, अधिकरण कारक।
(ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिग, अधिकरण कारक।
(ग) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिग, अधिकरण कारक।
(घ) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिग, कर्म कारक।

v. वह किसे पढ़ा रहा है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंगी, एकवचन, कर्म कारक।

(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, उभयलिंगी, एकवचन, कर्मकारक।

(ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्मकारक।

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. नायक को देखकर नायिका का रंग उड़ जाना कहलाएगा?

(क) अनुभाव

(ख) मनोभाव

(ग) शारीरिक चेष्टा

(घ) विभाव

ii. संचारी भाव होते हैं?

(क) मन में आने जाने वाले

(ख) मन में घूमने वाले

(ग) दोनों उत्तर सही हैं

(घ) दोनों गलत हैं

iii. रस का प्रमुख कार्य है?

(क) आनंद की प्राप्ति

(ख) आनंद की खोज

(ग) आनंद की अनुभूति

(घ) क व ग दोनों

iv. अब लौ न नसानी, अब न नसैहों।
राम कृपा भव निशा सिरानी, आगे फिर न डसैहों।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?

(क) शान्त रस

(ख) करुण रस

(ग) वात्सल्य रस

(घ) अद्भुत रस

v. हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती।
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला स्वतन्त्रता पुकारती।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?

(क) भयानक रस

(ख) हास्य रस

(ग) वीर रस

(घ) श्रृंगार रस

खण्ड–ग

पाठ्य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी–स्नान को जाते–गाँव से दो मील दूर। वहाँ से नहा–धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ, किंतु, एक दिन माघ की उस दाँत किटकिटाने वाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गईं थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर–सब कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं।

i. भगत की प्रभातियाँ किस माह से शुरू हो जाती थी?

(क) कार्तिक से (ख) फागुन से

(ग) माघ से (घ) जेठ से

ii. भगत की प्रभातियाँ किस माह तक चला करती थी?

(क) कार्तिक (ख) फागुन

(ग) माघ (घ) जेठ

iii. भगत जी अपना गीत कहाँ गाना शुरू करते थे?

(क) पोखरे पर

(ख) खँजड़ी पर

(ग) पोखरे के ऊँचे भिण्डे पर

(घ) गाँव के चौराहे पर

iv. प्रभातियाँ क्या होती है?

(क) सवेरे के गीत

(ख) रात के गीत

(ग) सुबह

(घ) रात

v. भगत जी नदी स्नान के लिये गाँव से कितनी दूर जाते थे?

(क) एक मील (ख) दो मील

(ग) तीन मील (घ) चार मील

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा में क्या कमी रह गई थी?
(क) टोपी नहीं थी
(ख) चश्मा नहीं था
(ग) प्रतिमा की ऊँचाई कम थी
(घ) रंग उचित नहीं था

ii. 'बस्ट' से क्या तात्पर्य है?
(क) चश्में वाली मूर्ति
(ख) कंधे से सिर तक की मूर्ति
(ग) चौराहे की मूर्ति
(घ) सेनानी की मूर्ति

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।
रे नृपबालक कालबस बोतल तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार।।

i. प्रस्तुत काव्यांश में कौनसी भाषा का प्रयोग हुआ है?
(क) ब्रज (ख) अवधी
(ग) उर्दू (घ) हिन्दी

ii. शिव का धनुष टूटने पर किसे क्रोध आया?
(क) परशुराम को
(ख) राम को
(ग) लक्ष्मण को
(घ) शिव को

iii. काव्यांश में कौन किससे बात कर रहा है?
(क) राम, परशुराम से
(ख) परशुराम जनक से
(ग) जनक परशुराम से
(घ) राम, लक्ष्मण, परशुराम तीनों आपस में

iv. काव्यांश में शिवजी के कौनसे नाम नहीं प्रयुक्त हुए?
(क) संभु (ख) सिव
(ग) त्रिपुरारि (घ) भृगुकुलकेतु

v. परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले की तुलना किससे की है?
(क) सहस्रबाहु समान शत्रु से
(ख) मित्र से
(ग) बालक से
(घ) शिवजी से

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. गोपियाँ किसके प्रेम में आसक्त हो गई हैं?
(क) संगीत–प्रेम (ख) उद्धव–प्रेम
(ग) कृष्ण–प्रेम (घ) इनमें से कोई नहीं

ii. इनमें से किस पक्षी की तुलना गोपियों से की गई है?
(क) कोयल (ख) हारिल
(ग) चकोर (घ) मोर

प्रथम सत्र

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3 (2021–22)

हिन्दी – अ (कोड – 002)

कक्षा – 10

निर्धारित समय– 90 मिनट **अधिकतम अंक – 40**

सामान्य निर्देश–

1. इस प्रश्नपत्र में तीन खण्ड हैं – खण्ड – क, खण्ड – ख और खण्ड – ग।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खण्ड – क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खण्ड – ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
5. खण्ड – ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
6. सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।

खण्ड–क

अपठित अंश 10

1. **नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–** $1 \times 5 = 5$

देवदत्त बुद्धिमान राजा था। एक दिन सिद्धतांक नामक तपस्वी उसके राज्य में आया। राजा ने तपस्वी का सम्मान कर नगर मंत्री धनेश्वर को उसके ठहरने का प्रबंध करने की आज्ञा दी। तपस्वी को त्यागी एवं बलिदानी मानकर अनेक सेठ–साहूकारों ने उसे दक्षिणा में धन दिया। काफी धन एकत्रित होने पर तपस्वी ने धन को एक कलश में रखकर जंगल में एक पेड़ के नीचे दबा दिया तथा उस पर निगरानी रखने लगा। कुछ समय पश्चात जब वह जंगल गया तो देखा कोई उसका धन चुरा ले गया है। यह देख उसकी आँखों के आगे अंधेरा छाने लगा। उसने निश्चय किया कि मैं नदी तट पर अपनी जान दे दूँगा।

यह बात जब राजा तक पहुँची तो उसने दरबारियों को भेज तपस्वी को बुलवाया तथा समझाया–देव धन खो जाने पर मृत्यु वरण अच्छा नहीं है, धन तो धूप–छाँव के समान है उसके लिए इतना शोक व्यर्थ है। परंतु तपस्वी अपनी बात पर अटल था। तब राजा ने उससे पूछा कि उसने जहाँ धन रखा था वहाँ की कोई निशानी तो होगी ही। तपस्वी ने राजा को बताया कि उसने एक छोटे पेड़ के पौधे के नीचे अपना धन छिपाया था। राजा ने उसे धन वापस मिल जाने का आश्वासन दिया परंतु तपस्वी अपनी बात पर अटल था। राजा ने शयनागार में जाकर सिरदर्द का बहाना किया और सभी वैद्यों को बुलवा लिया। उसने सभी वैद्यों से एक ही बात पूछी कि आजकल नगर में कौन सी बीमारी फैल रही है और उसकी औषधि क्या है तथा कहाँ मिलती है? वैद्य राजा के प्रश्न का उत्तर देते और चले जाते। एक वैद्य ने बताया कि मैंनें अपने रोगी शिवानंद को नागवाला बूटी खाने को कहा था। राजा ने तुरंत शिवानंद को बुला भेजा। शिवानंद ने राजा को बताया कि उसका नौकर रामू जंगल से यह बूटी लेकर आया था। राजा ने नौकर रामू को दरबार में बुलाया। रामू के दरबार में आते ही राजा ने गुस्से से आग बबूला होते हुए रामू को कहा अपने मालिक के लिए नागवाला बूटी उखाड़कर लाते समय जो धन मिला था वह तुरंत ले आओ वरना अपने पाप का दंड भोगने के लिए तैयार हो जाओ। रामू थर थर काँपने लगा और तुरंत घर की और दौड़ा और तपस्वी का धन लाकर राजा को वापस दे दिया।

i. तपस्वी ने अपना धन कहाँ छिपाया था?

(क) अपने घर में (ख) जंगल में

(ग) नदी के तट पर (घ) इनमें से कहीं नहीं

उत्तर : (ख) जंगल में

ii. राजा ने तपस्वी को धन की खोज करके लौटाने का आश्वासन तुरंत ही दे दिया क्योंकि–
(क) उसे चोर का पता था
(ख) उसे मंत्री पर शक था
(ग) उसे अपनी चतुरता पर विश्वास था
(घ) उसे अपनी प्रजा पर विश्वास था
उत्तर : (ग) उसे अपनी चतुरता पर विश्वास था

iii. तपस्वी के पास धन कहाँ से आया?
(क) नगर सेठों ने दान–दक्षिणा में भेंट किया
(ख) नगर मंत्री ने भेट किया
(ग) राजा ने भेंट किया
(घ) यह उसका अपना पैतृक धन था
उत्तर : (क) नगर सेठों ने दान–दक्षिणा में भेंट किया

iv. राजा ने सिरदर्द का बहाना क्यों किया?
(क) चोर को पकड़ने के लिए
(ख) उस समय नगर में फैली बीमारियों को ज्ञात करने के लिए
(ग) तपस्वी से उसका हठ तुड़वाने के लिए
(घ) इनमें से कोई कारण नहीं
उत्तर : (ग) तपस्वी से उसका हठ तुड़वाने के लिए

v. 'नौकर डर से काँपने लगा' यहाँ किस डर की बात कही गई है?
(क) तपस्वी के शाप की
(ख) राजा के द्वारा दंड दिए जाने की
(ग) अपने मालिक शिवानंद के डर की
(घ) सभी उत्तर सही हैं
उत्तर : (ख) राजा के द्वारा दंड दिए जाने की

अथवा

राष्ट्र निर्माण में शिक्षा का काफी योगदान रहा है। विदेशी शिक्षा पद्धति से कई लोग देश की सभ्यता और संस्कृति को भूलकर विदेशी सभ्यता और संस्कृति को ज्यादा महत्व दे रहे हैं, फलस्वरूप राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा हो गया है। इसके लिए वर्तमान शिक्षा नीति में सुधार करना अति आवश्यक है। मेरा यह मतलब नहीं कि विदेशी भाषाएँ सीखनी ही नहीं चाहिए। नहीं आवश्यकता, अनुकूलता और अवकाश होने पर हमें एक भाषा नहीं अनेक भाषाएँ सीख कर ज्ञानार्जन करना चाहिए। द्वेष किसी भी भाषा से नहीं करना चाहिए। ज्ञान कहीं से भी मिलता हो उसे ग्रहण कर लेना चाहिए। परंतु अपनी भाषा और उसी के साहित्य को प्रधानता देनी चाहिए क्योंकि अपना, अपने देश का, अपनी जाति का उपकार और कल्याण अपनी ही भाषा के साहित्य की उन्नति से हो सकता है। ज्ञान, विज्ञान और राजनीति की भाषा सदैव लोकभाषा ही होनी चाहिए।

i. राष्ट्रनिर्माण में किसका योगदान सर्वाधिक है?
(क) शिक्षा का (ख) साहित्य का
(ग) स्वदेशी भाषाओं का (घ) सभी उत्तर सही हैं
उत्तर : (घ) सभी उत्तर सही हैं

ii. वर्तमान शिक्षानीति किसके लिए खतरा बन चुकी है?
(क) राष्ट्रीय एकता के लिए
(ख) देश की अखंडता के लिए
(ग) 'क' व 'ख' दोनों सही हैं
(घ) 'क' व 'ख' दोनों गलत हैं
उत्तर : (ग) 'क' व 'ख' दोनों सही हैं

iii. इस गद्यांश का सार क्या होगा?
(क) राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए शिक्षा नीति में सुधार आवश्यक है
(ख) भारतीय सभ्यता और संस्कृति ही सर्वोपरी हैं
(ग) विदेशी शिक्षा का त्याग कर देना चाहिए
(घ) शिक्षा पद्धति कोई भी हो उसमें सुधार अत्यंत आवश्यक हैं
उत्तर : (क) राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए शिक्षा नीति में सुधार आवश्यक है

iv. अपनी भाषा की उन्नति ही उन्नति का मूल है इसीलिए–
(क) अपनी भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए
(ख) भाषा में सीखना अच्छा है
(ग) विदेशी भाषाओं को किसी भी दशा में मत सीखो
(घ) भाषा ज्ञान व्यर्थ की बातें हैं
उत्तर : (क) अपनी भाषा को प्रमुखता देनी चाहिए

v. ज्ञान विज्ञान और राजनीति की भाषा सदैव कैसी होनी चाहिए?
(क) संस्कृतनिष्ठ हिंदी (ख) वैज्ञानिक भाषा
(ग) लोक भाषा (घ) क्षेत्रीय भाषा
उत्तर : (ग) लोक भाषा

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 5 = 5$

विषुवत–रेखा का वासी जो,
जीता है नित हाँफ–हाँफ कर,
रखता है अनुराग अलौकिक,
वह भी अपनी मातृभूमि पर।
सुखद सकल विभवों की आकर,
धरा–शिरोमणि मातृभूमि में,

धन्य हुए हो जीवन पाकर।
ध्रुव वासी जो हिम में, तम में,
जी लेता है काँप–काँप कर,
वह भी अपनी मातृभूमि पर,
कर देता है प्राण निछावर।।
तुम तो है प्रिय बंधु! स्वर्ग सी,
तन रहते कैसे तज दोगे,
उसको, हे वीरों के वंशज।।
तुम जिसका जल–अन्न ग्रहण कर,
बड़े हुए लेकर जिसका रज,
जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन,
रखो आत्म–गौरव से ऊँची,
पलकें, ऊँचा सिर, ऊँचा मन।

i. विषुवतीय प्रदेश में रहने वालों को क्या कष्ट होता है?
(क) दूर–दूर तक चलने के कारण वे हाँफने लगते हैं
(ख) वहाँ बहुत सर्दी होती है
(ग) अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है
(घ) मातृभूमि की रक्षा में कष्ट सहन करने पड़ते हैं
उत्तर : (ग) अत्यधिक गर्मी सहन करनी पड़ती है

ii. विषुवत–रेखा और ध्रुव प्रदेश के वासी अपनी मातृभूमि के प्रति कैसी भावनाएँ रखते हैं?
(क) प्राण–न्योछावर करने को तैयार रहते हैं
(ख) छोड़कर जाना चाहते हैं
(ग) वहाँ रहते हुए भय से काँपते हैं
(घ) प्रसन्नतापूर्वक रहते हैं
उत्तर : (क) प्राण–न्योछावर करने को तैयार रहते हैं

iii. कवि ने वीरों के वंशज किन्हें कहा है?
(क) प्रिय बंधुओं को
(ख) विषुवत रेखा के वासियों को
(ग) भारतीयों को
(घ) ध्रुववासियों को
उत्तर : (ग) भारतीयों को

iv. प्रस्तुत कविता में कवि क्या संदेश दे रहा है?
(क) देश के प्रति प्राण भी न्योछावर करने को तैयार रहो
(ख) देश को छोड़कर मत जाओ
(ग) औरों की तरह कष्ट सहन करो
(घ) धरा–शिरोमणि में जन्म लेने के कारण अहंकार करो
उत्तर : (क) देश के प्रति प्राण भी न्योछावर करने को तैयार रहो

v. किस शब्द का अर्थ 'प्रेम' है?
(क) अलौकिक (ख) सुखद
(ग) आकर (घ) अनुराग
उत्तर : (घ) अनुराग

अथवा

ज्यों निकलकर बादलों की गोद से,
थी अभी एक बूँद कुछ आगे बढ़ी।
सोचने फिर–फिर यही जी में लगी,
आह! क्यों घर छोड़कर मैं यों कढ़ी।
दैव! मेरे भाग्य में है क्या बदा,
मैं बचूँगी या मिलूँगी धूल में।
या जलूँगी गिर अंगारे पर किसी,
चू पडूँगी या कमल के फूल में।
बह गई उस काल एक ऐसी हवा,
वह समुंदर ओर आई अनमनी।
एक सुंदर सीप का मुँह था खुला,
वह उसी में जा पड़ी, मोती बनी।
लोग यों ही हैं झिझकते, सोचते,
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर।
किंतु घर को छोड़ना अकसर उन्हें,
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

i. बूँद भगवान से किसके विषय में पूछ रही है?
(क) अपनी नियति के विषय में
(ख) अपने भाग्य के विषय में
(ग) अपनी गति (दशा) के विषय में
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ख) अपने भाग्य के विषय में

ii. हवा बूँद को उड़ाकर कहाँ ले गई?
(क) समुद्र की ओर
(ख) बादलों की ओर
(ग) कमल की ओर
(घ) अंगारे की ओर
उत्तर : (क) समुद्र की ओर

iii. बूँद मोती कैसे बन गई?
(क) सीप में पड़कर
(ख) धूल में पड़कर
(ग) अंगारे पर गिरकर
(घ) कमल के फूल पर पड़कर
उत्तर : (क) सीप में पड़कर

iv. बादलों से निकलकर बूँद क्या सोच रही थी?
(क) मैं समुद्र की ओर क्यों आई
(ख) मैं घर (बादल) छोड़कर क्यों निकली
(ग) मै सीप में क्यों गिरी
(घ) उपर्युक्त में कोई नहीं

उत्तर : (ख) मैं घर (बादल) छोड़कर क्यों निकली

v. बूँद की आशंका क्या है?
(क) कभी मैं धूल में मिल जाऊँ
(ख) कभी मैं अंगारे से जल मरूँ
(ग) कभी मैं कमल के ऊपर गिर जाऊँ
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (घ) उपर्युक्त सभी

खण्ड—ख

व्यावहारिक व्याकरण 16

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. जिस वाक्य में एक ही मुख्य क्रिया होती है, उसे कहते हैं—
(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य
(ग) उपवाक्य (घ) संयुक्त वाक्य
उत्तर : (क) सरल वाक्य

ii. "करो या मरो।" संयुक्त वाक्य को मिश्र वाक्य में बदलिए—
(क) करो और मरो।
(ख) करते रहो और मरते रहो।
(ग) करते रहने पर भी मरोगे।
(घ) यदि नहीं करोगे तो मरोगे।
उत्तर : (घ) यदि नहीं करोगे तो मरोगे।

iii. निम्नलिखित वाक्यों में सरल वाक्य छाँटिए—
(क) सहवाग गंभीर के साथ खेल रहा है।
(ख) नेताजी आए और सब लोग बैठ गए।
(ग) जैसा बोएँगे वैसा काटेंगे।
(घ) सीटी बजी और मैच शुरू हो गया।
उत्तर : (क) सहवाग गंभीर के साथ खेल रहा है।

iv. वह इस प्रकार चलता है जैसे कोई बीमार हो। रचना के आधार पर वाक्य भेद है—
(क) सरल वाक्य
(ख) सकारात्मक वाक्य
(ग) मिश्र वाक्य
(घ) संयुक्त वाक्य
उत्तर : (ग) मिश्र वाक्य

v. आश्रित उपवाक्य का भेद नहीं है—
(क) सर्वनाम उपवाक्य
(ख) क्रियाविशेषण उपवाक्य
(ग) संज्ञा उपवाक्य
(घ) विशेष उपवाक्य
उत्तर : (क) सर्वनाम उपवाक्य

4. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. निम्नलिखित वाक्य से भाववाच्य वाक्य बनाइए—
हम सर्दी में गर्म पानी से नहाते हैं।
(क) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाएगा।
(ख) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाता है।
(ग) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जा रहा है।
(घ) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाता था।
उत्तर : (ख) सर्दी में हमसे गर्म पानी से नहाया जाता है।

ii. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए—
(क) रम्या सुबह नहीं उठ सकी।
(ख) अमिय द्वारा कहानी पढ़ी गई।
(ग) रीना चित्र बनाती है।
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ख) अमिय द्वारा कहानी पढ़ी गई।

iii. निम्नलिखित वाक्य से कर्मवाच्य बनाइए—
मैं यह कविता नहीं पढ़ सकूँगा।
(क) मुझ द्वारा यह कविता नहीं पढ़ी जाएगी।
(ख) मुझ द्वारा इस कविता को नहीं पढ़ा जा सकेगा।
(ग) मुझसे यह कविता नहीं पढ़ी जा सकेगी।
(घ) मुझसे यह कविता नहीं पढ़ी जाएगी।
उत्तर : (ग) मुझसे यह कविता नहीं पढ़ी जा सकेगी।

iv. आओ चला जाए। इस वाक्य में वाच्य है—
(क) कर्तृवाच्य (ख) भाववाच्य
(ग) कर्मवाच्य (घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ख) भाववाच्य

v. निम्नलिखित वाक्यों में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य है—
(क) बच्चों के द्वारा खाना खाया गया।
(ख) बच्चों से चला जा सकता है।
(ग) बच्चों ने खाना खाया।
(घ) बच्चों से भागा जा सकता है।
उत्तर : (ग) बच्चों ने खाना खाया।

5. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए— $1 \times 4 = 4$

i. यह छात्र बहुत समझदार है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा—
(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।
(ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुंल्लिंग, कर्ता कारक।
(ग) संज्ञा, जातिवाचक, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक।

उत्तर : (ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुंल्लिंग, कर्ता कारक।

ii. मैं पंकज से जयपुर में मिलूँगा। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक।

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, करण कारक।

उत्तर : (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, अधिकरण कारक।

iii. रंजनी पत्र पढ़ती है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक।

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक।

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक।

उत्तर : (घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक।

iv. सैनिक अपने कर्तव्य पर मर मिटेंगे। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

(ख) संज्ञा, जातिवाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

(ग) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

(घ) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक।

उत्तर : (ग) संज्ञा, भाववाचक, एकवचन, पुल्लिंग, अधिकरण कारक।

v. वह किसे पढ़ा रहा है। इस वाक्य में रेखांकित पद का सही पद परिचय होगा–

(क) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंगी, एकवचन, कर्म कारक।

(ख) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, उभयलिंगी, एकवचन, कर्मकारक।

(ग) प्रश्नवाचक सर्वनाम, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मकारक।

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक।

उत्तर : (क) प्रश्नवाचक सर्वनाम, उभयलिंगी, एकवचन, कर्म कारक।

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $1 \times 4 = 4$

i. नायक को देखकर नायिका का रंग उड़ जाना कहलाएगा?

(क) अनुभाव

(ख) मनोभाव

(ग) शारीरिक चेष्टा

(घ) विभाव

उत्तर : (क) अनुभाव

ii. संचारी भाव होते हैं?

(क) मन में आने जाने वाले

(ख) मन में घूमने वाले

(ग) दोनों उत्तर सही हैं

(घ) दोनों गलत हैं

उत्तर : (क) मन में आने जाने वाले

iii. रस का प्रमुख कार्य है?

(क) आनंद की प्राप्ति

(ख) आनंद की खोज

(ग) आनंद की अनुभूति

(घ) क व ग दोनों

उत्तर : (घ) क व ग दोनों

iv. अब लौ न नसानी, अब न नसैहों।
राम कृपा भव निशा सिरानी, आगे फिर न डसैहों।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?

(क) शान्त रस

(ख) करुण रस

(ग) वात्सल्य रस

(घ) अद्भुत रस

उत्तर : (क) शान्त रस

v. हिमाद्रि तुंग श्रृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती।
स्वयं प्रभा समुज्ज्वला स्वतन्त्रता पुकारती।।
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन–सा रस है?

(क) भयानक रस

(ख) हास्य रस

(ग) वीर रस

(घ) श्रृंगार रस

उत्तर : (ग) वीर रस

खण्ड—ग

पाठ्य पुस्तक 14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

कार्तिक आया नहीं कि बालगोबिन भगत की प्रभातियाँ शुरू हुईं, जो फागुन तक चला करतीं। इन दिनों वह सबेरे ही उठते। न जाने किस वक्त जगकर वह नदी–स्नान को जाते–गाँव से दो मील दूर। वहाँ से नहा–धोकर लौटते और गाँव के बाहर ही, पोखरे के ऊँचे भिंडे पर, अपनी खँजड़ी लेकर जा बैठते और अपने गाने टेरने लगते। मैं शुरू से ही देर तक सोने वाला हूँ, किंतु, एक दिन माघ की उस दाँत किटकिटाने वाली भोर में भी, उनका संगीत मुझे पोखरे पर ले गया था। अभी आसमान के तारों के दीपक बुझे नहीं थे। हाँ, पूरब में लोही लग गईं थी जिसकी लालिमा को शुक्र तारा और बढ़ा रहा था। खेत, बगीचा, घर–सब कुहासा छा रहा था। सारा वातावरण अजीब रहस्य से आवृत मालूम पड़ता था। उस रहस्यमय वातावरण में एक कुश की चटाई पर पूरब मुँह, काली कमली ओढ़े, बालगोबिन भगत अपनी खँजड़ी लिए बैठे थे। उनके मुँह से शब्दों का ताँता लगा था, उनकी अँगुलियाँ खँजड़ी पर लगातार चल रही थीं।

i. भगत की प्रभातियाँ किस माह से शुरू हो जाती थी?
(क) कार्तिक से (ख) फागुन से
(ग) माघ से (घ) जेठ से
उत्तर : (क) कार्तिक से

ii. भगत की प्रभातियाँ किस माह तक चला करती थी?
(क) कार्तिक (ख) फागुन
(ग) माघ (घ) जेठ
उत्तर : (ख) फागुन

iii. भगत जी अपना गीत कहाँ गाना शुरू करते थे?
(क) पोखरे पर
(ख) खँजड़ी पर
(ग) पोखरे के ऊँचे भिण्डे पर
(घ) गाँव के चौराहे पर
उत्तर : (ग) पोखरे के ऊँचे भिण्डे पर

iv. प्रभातियाँ क्या होती है?
(क) सवेरे के गीत (ख) रात के गीत
(ग) सुबह (घ) रात
उत्तर : (क) सवेरे के गीत

v. भगत जी नदी स्नान के लिये गाँव से कितनी दूर जाते थे?
(क) एक मील (ख) दो मील
(ग) तीन मील (घ) चार मील
उत्तर : (ख) दो मील

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 2 = 2$

i. सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा में क्या कमी रह गई थी?
(क) टोपी नहीं थी
(ख) चश्मा नहीं था
(ग) प्रतिमा की ऊँचाई कम थी
(घ) रंग उचित नहीं था
उत्तर : (ख) चश्मा नहीं था

ii. 'बस्ट' से क्या तात्पर्य है?
(क) चश्में वाली मूर्ति
(ख) कंधे से सिर तक की मूर्ति
(ग) चौराहे की मूर्ति
(घ) सेनानी की मूर्ति
उत्तर : (ख) कंधे से सिर तक की मूर्ति

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए— $1 \times 5 = 5$

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनिबचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।।
बहु धनुही तोरी लरिकाईं। कबहुँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतू। सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतू।।
रे नृपबालक कालबस बोलत तोहि न सँभार।
धनुही सम त्रिपुरारिधनु बिदित सकल संसार।।

i. प्रस्तुत काव्यांश में कौनसी भाषा का प्रयोग हुआ है?
(क) ब्रज (ख) अवधी
(ग) उर्दू (घ) हिन्दी
उत्तर : (ख) अवधी

ii. शिव का धनुष टूटने पर किसे क्रोध आया?
(क) परशुराम को
(ख) राम को
(ग) लक्ष्मण को
(घ) शिव को
उत्तर : (क) परशुराम को

iii. काव्यांश में कौन किससे बात कर रहा है?

(क) राम, परशुराम से

(ख) परशुराम जनक से

(ग) जनक परशुराम से

(घ) राम, लक्ष्मण, परशुराम तीनों आपस में

उत्तर : (घ) राम, लक्ष्मण परशुराम तीनों आपस में

iv. काव्यांश में शिवजी के कौनसे नाम नहीं प्रयुक्त हुए?

(क) संभु (ख) सिव

(ग) त्रिपुरारि (घ) भृगुकुलकेतु

उत्तर : (घ) भृगुकुलकेतु

v. परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले की तुलना किससे की है?

(क) सहस्रबाहु समान शत्रु से

(ख) मित्र से

(ग) बालक से

(घ) शिवजी से

उत्तर : (क) सहस्रबाहु समान शत्रु से

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– $1 \times 2 = 2$

i. गोपियाँ किसके प्रेम में आसक्त हो गई हैं?

(क) संगीत–प्रेम (ख) उद्धव–प्रेम

(ग) कृष्ण–प्रेम (घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर : (ग) कृष्ण प्रेम

ii. इनमें से किस पक्षी की तुलना गोपियों से की गई है?

(क) कोयल (ख) हारिल

(ग) चकोर (घ) मोर

उत्तर : (ख) हारिल